RAJYA SABHA

Thursday, the 2nd March, 1989|11 Phalguna, 1910 (Saka)

The House met at elevel of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

गंगा नदी को कानपुर के शुष्क घाटों की ओर वापस लाया जाना

*121. **श्री अश्विनी कुमार** :†

श्री लाल कृष्ण आडवाणी :

क्या **जल संसाधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गंगा नदी को कानपुर के शुष्क घाटों की ओर वापस लाने के मार्ग की जांच हेतु उनके मंत्रालय ने कुछ समय पहले एक तकनीकी समिति स्थापित की थी ;

(ख) यदि हां, तो उपर्युक्त समिति के निष्कर्ष तथा सिफारिशें क्या क्या हैं ;

(ग) योजना को कब तक लागू कर दिया जाएगा ; और

(घ) योजना पर कितना व्यय होने का अनुमान है और उसके लिए केन्द्रीय सहायता कितनी होगी ?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (घ) पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा जनवरी, 1988 में स्थापित तकनीकी समिति ने अन्य सिफारिशों के साथ लगभग 130 करोड़ रूपये की अनुमानित लागत से कानपुर में द्वार वाले एक बराज के निर्माण की सिफारिश भी की है । उत्तर प्रदेश सरकार को इन सिफारिशों पर विचार करना है ।

---

†सभा में यह प्रश्न श्री अश्विनी कुमार द्वारा पूछा गया ।

श्री अश्विनी कुमार : माननीय सभापति महोदय, इस प्रश्न के अंदर मंत्री महोदया ने यह कहा है कि 130 करोड़ की योजना के अतिरिक्त कुछ अन्य सिफारिशें भी की गयी है तो उत्तर की पूर्ति तब होती जब मंत्री महोदया अन्य सिफारिशों का विवरण रखने में भी संकोच नहीं करती । तब प्रश्न पूछने में भी अधिक सुविधा रहती । पता नहीं क्यों उसको छिपा लिया गया है । मैं जानना चाहूंगा कि वे अन्य सिफारिशें क्या हैं, वे भी रखने की कृपा करती । यह तो मैंने क्लैरीफिकेशन मांगा है ।

मैं यह जानना चाहता हूं कि कानपुर के अंदर 130 मिलियन लीटर के प्लांट का जो...

श्री सभापति : आपका प्रश्न यह है कि और क्या सिफारिशें हैं ।

श्री **अश्विनी कुमार** : यह तो उसका मैं क्लेरिफिकेशन मांग रहा हूं ।

श्री सभापति : इस तरह से दो दो, तीन-तीन आप थोड़ा पूछ सकते हैं ?

श्री अश्विनी कुमार : वे प्रश्न का उत्तर नहीं देंगी जो प्रश्न मैं पूछ रहा हूं और 130 करोड़ को जो उन्होंने योजना कही है ... (**व्यवधान**)

श्री सभापति : लम्बा हो तो उसको टेबुल पर रख दीजिए ।

SHRIMATI KRISHNA SAHI: It is not long. I am telling the hon. Member.

श्री अश्विनी कुमार : अभी बता दें तो उसी हिसाब से प्रश्न पूछ लूं ।

MR. CHAIRMAN: Is it long?

SHRIMATI KRISHNA SAHI: No, no, it is a very small reply. I will tell the hon. Member.

सभापति महोदय, अन्य जो अनुशंसायें हैं वे यह हैं :

कानपुर चैनल मे 30 क्यूसेक गंगा नदी का जल प्रवाह सुनिश्चित करने से उत्तम गुणवत्ता का जल उपलब्ध हो सकेगा । मेरी घाट से एक किलोमीटर अपस्ट्रीम में बैराज का निर्माण करना लाभदायक होगा । नदी के बायें किनारे पर मार्जिनल बांध बनाने की आवश्यकता है जिससे उन्नाव की ओर शहरी विकास भी संभव होगा । जब तक बैराज का निर्माण नहीं होता है तब तक वर्तमान चैनल का सेक्शन विस्तार किया जाये ताकि उसमें कम से कम 10 क्यूमेक पानी प्रवाहित हो सके । इस चैनल की घाट के किनारे किनारे रेल सेतु तक बढ़ाकर पुनः नदी में जोड़ा जाना चाहिए । इसके अलावा कानपुर विद्युत आपूर्ति प्राधिकार द्वारा चैनल से जल लेने हेतु निर्मित्त बांध को हटा देना चाहिए ताकि चैनल में लगातार जल प्रवाह संभव हो सके । अन्य और भी उनके जो काम हैं उनमें सर्वेक्षण करना है, सर्वे करना है, माडल स्टडीज करनी है और एक ही प्राधिकरण का गठन किया जाये ताकि सभी विभागों का समन्वय करके काम हो ।

श्री सभापति : अब आप सप्लीमेंटरी पूछ लीजिए

श्री अश्विनी कुमार : अब सप्लीमेंटरी शुरू होगा । पता नहीं क्यों उन्होंने क्लैरीफिकेशन का यह पत्र रख लिया था। यह जो सिफारिशें केन्द्र सरकार ने की हैं, ये तो स्वागत योग्य हैं । इनके ऊपर उत्तर प्रदेश सरकार विचार कर रही होगी । लेकिन क्या कोई समयबद्ध योजना उत्तर प्रदेश को भेजी गयी है । दूसरा 1987 में जो 130 मिलियन लीटर के प्लांट का टेंडर हुआ है । वह अभी तक डिसाईड हुआ है कि नहीं हुआ है ? वह कब तक डिसाईड होगा ? यदि अभी तक डिसाअड नहीं हुआ, तो जो 1993 में पूरा होने की बात है, वह कैसे पूरा हो सकेगा ? इसके बारे में मंत्री महोदया जरा बताने की कृपा करें ।

श्रीमती कृष्णा साही : आप सभी जानते हैं कि सिंचाई की जो परियोजनाएं है वह राज्य सरकार द्वारा आयोजित की, जाती हैं, वित्त-पोषित हैं तथा कार्यान्वियन भी की जाती है : राज्य योजना के लिए ब्लाक ग्रांट्स और लोंस भी दिये जाते हैं, लेकिन यह राज्य सरकार का विषय है । जो टेंडर की बात उन्होंने कही है, उसके बारे में मैं कैसे बता सकती हूं ।

श्री अश्विनी कुमार : अब मंत्री महोदया ने सब कुछ राज्य सरकार पर डाल दिया है, धन तो यही दे रही हैं । जो मूल प्रश्न मैंने पूछा था वह यह था कि गंगा नदी पर कानपुर में शुष्क घाटों में पानी लाने के जो सरकारी प्रयास हो रहे हैं, इसके बारे में मैं मंत्री महोदया से जानना चाहूंगा कि इसके अतिरिक्त वहां पर जन-समाज ने बहुत बड़ा श्रमदान इत्यादि का कार्यक्रम जो किया था, उससे क्या लाभ हुआ, उससे क्या जागरण हुआ, सरकार को कुछ लाभ हुआ कि नहीं ? उसको सरकार कहां तक प्रोत्साहन देना चाहती है ?

श्रीमती कृष्णा साही : सभापति महोदय, वर्तमान प्रबंध जो है, उसके बारे में मैं माननीय सदस्य को बताना चाहती हूँ, जो सूचना राज्य सरकार से प्राप्त है, कानपुर शहर की ओर गंगा का पानी लाने के लिए एक चैनल प्रति वर्ष ड्रेज किया जाता है, उसकी खुदाई की जाती है, जिससे जलापूर्ति एवं थर्मल पावर स्टेशन के लिए जल की व्यवस्था होती है, किन्तु दूषण के कारण स्नान नहीं किया जा सकता है । इसलिए ड्रेजिंग पर प्रति वर्ष उत्तर प्रदेश सरकार को एक करोड़ रूपया व्यय करना पड़ता है, जिससे कि कानपुर के घाटों पर पानी को थोड़े अंश में लाया जाता है और यह काम उनसे किया जाता है और थर्मल पावर के लिए ...

श्री सभापति : जनता ने जो स्वयमेव मेहनत करके काम किया है, वह उसके बारे में जानना चाहते है ।

श्रीमती कृष्णा साही : हां, कुछ स्वैच्छिक संस्थाओं के द्वारा श्रमदान किये गये हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने भी काम किया है ।

स्वैच्छिक संस्थाओं के द्वारा जो काम किया गया है, वह तो प्रशंसनीय है। यदि कोई स्वैच्छा से काम करता है, वह तो स्वागत योग्य है ।

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: Sir, the hon. Minister is suggesting the disease to be the solution of the problem. This water was diverted from these ghats because of ill-planning.

MR. CHAIRMAN: She has not said anything about it. She is only giving the reply.

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: The reply says that gated barrage would be the solution of the problem.

MR. CHAIRMAN: This is not her report. It is the report of a committee.

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: The reply that has been given to us says that by constructing a gated barrage, water will be released to the ghats. Now, this is the disease because of ill-planning by the State Government or by any other agency. These gated barrages and these bridges were the cause of its natural course being drifted.

MR. CHAIRMAN: He is opposed to gated barrages.

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: Yes. I want to know specificaly whether any comprehensive hydrografic study has been made of the river Ganges in order to ensure that the holy ghats or rivers in different cities continue to get water so that what has happened in the case of Kanpur is not allowed to happen to other places. In the absence of such a basic planning, the ghats will drift away. Nobody can stop it. Dredging is not the solution.

MR. CHAIRMAN: Your supplementary does not arise out of this question.

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: May I pass on the reply, Sir?

MR. CHAIRMAN: This does not arise out of this question.

SHRI BIR BHADRA PRATAP SINGH: The question says about the construction of a gated barrage at Kanpur...

MR. CHAIRMAN: The question is about the technical committee. So, I cannot permit it. It does not throw open a discussion about all that has happened to the river Ganges and to the gated barrage. I do not permit it.

Next question.

Closed Textile Mills in Gujarat and other States

*122. SHRI MIRZA IRSHADBAIG: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what are the demands of Gujarat and other States in regard to the closed textile mills and what is the latest position of Gujarat in this regard;

(b) what progress has so far been made in regard to the suggestions made to his Ministry by the Tripartite Committee set up by the Gujarat Government for effecting improvement in the closed textile mills; and

(c) by when a decision in regard to the unemployed workers will be taken and what are the reasons for not taking a decision as yet?